भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1128

जिसका उत्तर 05.02.2026 को दिया जाना

ब्लैक स्पॉट के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम

1128. डॉ. राजकुमार सांगवान:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है;

(ख) यदि हाँ, तो इसके प्रमुख कारण क्या हैं तथा ऐसी दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु सरकार द्वारा अब तक कौन-कौन से ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए गए हैं;

(ग) सड़कों पर ऐसे ब्लैक स्पॉट्स के उभरने के प्राथमिक कारण क्या हैं; और

(घ) उत्तर प्रदेश के बागपत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित उनके स्थान, गठन के कारण सहित कुल चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स की संख्या कितनी है, तथा उन्हें ठीक करने के लिए उठाए गए और प्रस्तावित सुधारात्मक उपायों का नाम-वार और स्थान-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) भारत में सड़क दुर्घटनाओं की रिपोर्ट, 2023 के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों और राज्यीय राजमार्गों पर वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में दुर्घटनाओं की कुल संख्या में कमी आई है। सड़क दुर्घटनाएं बहु-कारणीय होती हैं और प्रायः मानवीय चूक, सड़क वातावरण और वाहन की स्थिति जैसे विभिन्न कारकों के अंतःक्रिया का परिणाम होती हैं। वर्ष 2023 में, यातायात नियम उल्लंघन की श्रेणी के तहत, एक प्रमुख कारण में तेज गति से वाहन चलाना, इसके बाद गलत दिशा में वाहन चलाना शामिल है। ब्लैक स्पॉट्स की पहचान सरकार द्वारा संबंधित राज्य सरकारों से प्राप्त दुर्घटना रिपोर्टों के आधार पर की जाती है, जो मृत्यु और गंभीर चोटों से जुड़ी कतिपय संख्या में दुर्घटनाओं की घटना के मानदंडों को पूरा करती है।

सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए उत्तरदायी है। ऐसे ब्लैक स्पॉट पर तत्काल अल्पकालिक उपायों के लिए सरकार ने सड़क चिह्नों, संकेतकों, दुर्घटना अवरोधकों (क्रेश बैरियर), सड़क स्टड, सीमांकन (डीलिनिएटर), अनधिकृत मध्य मार्ग (मीडियन) के खुले भाग को बंद करने, यातायात को व्यवस्थित करने के उपायों आदि जैसे कदम उठाए हैं। स्थल (साइट) जांच के अनुसार ऐसे ब्लैक स्पॉट पर दीर्घकालिक उपाय जैसे सड़क ज्यामिति में सुधार, जंक्शन सुधार, कैरिजवे स्पॉट का चौड़ीकरण, अंडरपास/ओवरपास का निर्माण आदि भी स्थायी सुधार उपायों के रूप में किए जाते हैं जिनमें भूमि अधिग्रहण, वन मंजूरी और जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण जैसी निर्माण पूर्व गतिविधियां शामिल हैं, जिसमें काफी समय लगता है।

(घ) ब्लैक स्पॉट का सुधार एक सतत प्रक्रिया है। बागपत जिले में ब्लैक स्पॉट का विवरण अनुलग्नक पर दिया गया है।

अनुलग्नक

'ब्लैक स्पॉट के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम' के संबंध में डॉ. राजकुमार सांगवान के द्वारा दिनांक 05.02.2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1128 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

एनएच सं.	ब्लैक स्पॉट की संख्या	प्रस्तावित/किए गए सुधारात्मक उपाय
709बी	12	पहले यह खंड 2 लेन का था और अब 4 लेन तक चौड़ीकरण का कार्य पूरा हो गया है
	14	अल्पकालिक उपायों के रूप में ट्रांसवर्स बार मार्किंग, दुर्घटना संभावित क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड, माध्यिका पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, सूचनात्मक बोर्ड, शेवरॉन साइन बोर्ड, सोलर स्टड और छोटी सड़कों पर स्टॉप मार्किंग प्रदान की जाती है।
334बी	01	
	01	पहले यह खंड एकल लेन का था और अब पेव्ड शोल्डर सहित 2 लेन में चौड़ीकरण का कार्य पूरा हो गया है।

*****